## दिनांक 1 सितम्बर, 1980

कमांक 1314-ज-I-80/31' 50.—श्री प्रेम सिंह, पुत्र श्री मुलतान सिंह, गांव अधियारपुर, तहसील महेन्द्रगढ़, जिला नारनौल की दिनांक 2 मई, 1979 को हुई शृत्यू के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए), (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुए श्री प्रेम सिंह को मुल्लिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4834-ज-III-69/28690 दिनांक 3 दिसम्बर, 1969 तथा 5341-आ-III-77/29505, दिनांक 8 दिनस्वर, 1970 हारा मंजूर की गई थी. अब उसकी विश्वा श्रीमती चित्ररा के नाम खरीफ 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रवी. 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई गढ़ों के अन्तगर्न प्रदान करने हैं।

## दिनांक 9 सितम्बर, 1980

क्रमांक 1197-ज-(11)-80/31947 --पूर्ती पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपना गां है और उनने अन्त तह संगोधन कि मानिक गां हैं) की धारा 2(ए) (ए) तथा 3 (ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरिकाणा के राज्यकल श्रीनती सरती देशी, विधवा श्री शिव चन्द गांव पाड़ा, तहसील व जिला करताल को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1303—ज-(H)—80/31952——श्री खजान सिंह, पुत्र श्री नानक सिंह, गांव मथाना, तहसील थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र की दिनांछ 21 मई, 1978 की हुई मृत्यु के परिणामन्त्रसप हिर्माणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिशिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हिरियाणा राज्य में अपनाया गया है और आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई एकितयों का प्रयोग करने हुने श्री खजान सिंह को मृष्टिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हिरियाणा सरकार को श्रिधिस्थना क्रमांक 430/अगर (I)- 67/3180. दिनांक 12 सितम्बर, 1967 तथा श्रिधिस्थना क्रमांक 5041-आर III— 70/29505. दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा संजूर की गयी थी, श्रब उसकी विव्यवा श्रीमती टाकुर कौर के नाम खरीफ , 1978 से खरीफ. 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी. 1980 में 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गयी शर्तों के श्रन्तगर्त प्रदान करने हैं।

कमांक 834—9(H)-80/31958.—शो रामजी लाल, पुन्न श्री मुरली, गांव सुरहती, तहसील झज्जर जिला रोहतक की दिनांक 5 शक्तूबर, 1978. को हुई मृत्यु के परिणांमस्बद हिस्याणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हिस्याणा राज्य में अवकाया गया है और श्राज कर संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) 1(ए) तथा 3 (1ए) के श्रधीन श्रदान को गई जिल्लाों का प्रयोग करने हुये थी रामजी लाल की मुख्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हिस्याणा सरकार की श्रधिमूचना कमांक 429-ज (H)-74/1997, 18 जून, 1974 तथा श्रधिमूचना कमांक 5041-श्रारः-HI-70/29505. दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, द्वारा मंजूर की गयी थी, श्रव उसकी विधवा श्रीमती सारा के नाम खरीफ़, 1979 से 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गयी शर्ती के श्रन्तंगत श्रदान करते हैं।

क्रमांक 1035-9 (II)-80/31962-9 मंगल सिंह, पुत्र श्री गिरधारी लाल, गांव नाहड़, तहसील झज्जर, जिला रोहतक की दिनांक 9 जून, 1978 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उमे हरियाणा राज्य मे अपनाया गया है श्रीर आज तक संगोधन किया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गयी। शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री मंगल सिंह को मुक्लिंग 150 रुपये वापिक की जागीर जी उसे हरियाणा सरकार की अधिमूचना क्रमांक 1912-र(III)-69/16000, दिनांक 28 जून, 1969 तथा। श्रिधमूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505. दिनांक 8 दिनम्बर, 1970 हारा मंजूर की गयी। यी, अब उसकी विधवा श्रीमती हरदई के नाम रबी, 1979 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वापिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाषिक की दर से सदन में दी गयी शर्तों के अन्तगर्त प्रदान करते हैं।

कमांक 833-ज-(H)-80/32079--श्री जूरड़ा राम, पुत्र श्री तोता राम, गांव श्रच्छेज, तहसील झज्जर, जिला रोहतः की विनाक 8 श्रवत्यर, 1979 की हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रीधिनियम, 1948 (जैना कि उस हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रीर भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3 (1) के शबीन प्रयान की गयी जिल्तयों का प्रयोग करते हुये श्री कूरड़ा राम को मृद्धिक 150 रुपये वापिक की जागीर जो उसे हरियाणा सर्गार की श्रीधमुचना क्रमांक 586-ज (H)-78/13018, दिनांक 8 मई, 1978 तथा श्रीधमुचना क्रमांक 5041-श्रार. H-70/29505 दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 हारा मंजूर की गयी थी, श्रब, उसकी विधवा श्रीमती शान्ति के नाम दिन खरीफ, 1980 से 300 रु,पये वापिक की दर से सनद में दी गयी जतीं के श्रन्तगर्त प्रदान करते हैं।